No. of Printed Pages : 4 **MES-053**

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

June, 2011

MES-053 : EDUCATIONAL MANAGEMENT, PLANNING AND FINANCE

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : (i) *All the questions are **compulsory.***
(ii) *All the questions carry **equal** weightage.*

Answer the following questions in about ***600*** words.

1. The efficient coordination between different functionaries at different levels makes educational management more effective and productive. Discuss with suitable examples.

OR

Discuss with examples the influence of globalization and internationalization on policy planning and management of education in India.

2. How does DPEP - 1993 and Sarva Shiksha Abhiyan - 2000 translate the idea of decentralization planning into an operational reality ? Discuss with examples.

OR

Discuss with examples the principles and procedures of monitoring and evaluation as essential management functions.

3. Answer ***any four*** of the following questions in about ***150*** words each.

   (a) Explain briefly the factors that determine the scope of educational planning.

   (b) Describe the merits and demerits of a decentralised planning.

   (c) Describe briefly the various components of the concept of education as an investment.

   (d) Define briefly the advantages and disadvantages of autonomy in an institution.

   (e) Community participation is the backbone of decentralization. Explain.

   (f) Explain the social demand approach in the light of educational planning in India.

4. Answer the following question in about ***600*** words.

   Define the scope of educational planning as indicated in the Five Year Plans. What future policy changes do you discern from the comparative analysis of the educational plans ? Support your answer with concrete illustrations.

एम.ई.एस.-053

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

एम.ई.एस-053 : शैक्षिक प्रबंधन, आयोजन और वित्त

समय : 3 *घण्टे* *अधिकतम भारिता :* 70%

नोट : *(i)* ***सभी*** *प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) *सभी प्रश्नों की* ***भारिता समान*** *है।*

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में लिखें।

1. विभिन्न स्तरों पर कार्यरत व्यक्तियों के बीच कुशल समन्वय के फलस्वरूप शैक्षिक प्रबंधन अधिक प्रभावकारी और उत्पादक सिद्ध होता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा करें।

अथवा

भारत में शैक्षिक प्रबंधन और नीति नियोजन पर वैश्वीकरण तथा अन्तर्राष्ट्रीयकरण के प्रभावों पर सोदाहरण चर्चा करें।

2. डी.पी.ई.पी - 1993 और सर्वशिक्षा अभियान - 2000 के अन्तर्गत विकेंद्रीकृत आयोजना की अवधारणा को किस प्रकार एक प्रक्रियात्मक वास्तविकता का रूप दिया गया? सोदाहरण चर्चा करें।

अथवा

प्रबंधन के अनिवार्य प्रकार्यों के रूप में अनुश्रवण और आकलन के सिद्धान्तों एवं प्रक्रियाओं पर सोदाहरण चर्चा करें।

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग ***150*** शब्दों में लिखें।

(a) शैक्षिक आयोजना के क्षेत्र को निर्धारित करने वाले कारकों पर संक्षेप में चर्चा करें।

(b) विकेंद्रीयकृत आयोजना के लाभ एवं त्रुटियों का वर्णन करें।

(c) निवेश के रूप में शिक्षा की अवधारणा के विभिन्न अंगों का संक्षेप में वर्णन करें।

(d) किसी संस्था में स्वायत्तता के लाभ एवं हानियों को संक्षेप में परिभाषित करें।

(e) सामुदायिक भागीदारी विकेंद्रीयकरण की रीढ़ की हड्डी है। व्याख्या करें।

(f) भारत में शैक्षिक आयोजना के संदर्भ में सामाजिक माँग उपागम की व्याख्या करें।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में लिखें।

पंचवर्षीय योजनाओं के संदर्भ में शैक्षिक आयोजना के कार्यक्षेत्र को परिभाषित करें। पंचवर्षीय योजनाओं के तुलनात्मक विश्लेषण से आप किन भावी नीति परिवर्तनों का अनुमान लगा सकते हैं। अपने उत्तर के समर्थन में उपयुक्त उदाहरण दें।